



भारतीय संस्कृति पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव

डॉ. श्यामा राम, सहायक आचार्य, हिन्दी, राजकीय महाविद्यालय, मेड़ता सिटी

भारतीय संस्कृति पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का प्रभाव व्यापक और बहुआयामी है। यह प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकता है, जो संस्कृति के विभिन्न पहलुओं जैसे भाषा, शिक्षा, रोजगार, कला, परंपराएं, और सामाजिक ताना-बाना पर आधारित हैं।

सकारात्मक प्रभाव :-

भारतीय संस्कृति पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का सकारात्मक प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में है, जो इस प्रकार है -

1. भाषा संरक्षण और प्रचार-प्रसार

AI आधारित अनुवाद और भाषण पहचान तकनीकों से भारतीय भाषाओं को संरक्षित करने और उन्हें डिजिटल मंच पर बढ़ावा देने में मदद मिल रही है। जैसे, गूगल ट्रांसलेट और अन्य AI प्लेटफॉर्म कई भारतीय भाषाओं का समर्थन करते हैं।

2. शिक्षा और ज्ञान

AI ने शिक्षा को अधिक सुलभ और व्यक्तिगत बनाया है। उदाहरण के लिए, AI आधारित शिक्षा प्लेटफॉर्म ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों को उनकी भाषाओं में पढ़ाई में मदद कर रहे हैं।

3. कला और परंपरा का डिजिटलकरण

पारंपरिक भारतीय कला, संगीत, और नृत्य को AI की मदद से डिजिटल माध्यम पर संरक्षित और प्रचारित किया जा रहा है। यह नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में सहायक है।

4. योग और आयुर्वेद

AI आधारित हेल्थ एप्लिकेशन और डिवाइस योग और आयुर्वेद जैसे प्राचीन भारतीय स्वास्थ्य पद्धतियों को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बना रहे हैं।

5. सामाजिक सुधार

AI आधारित सिस्टम सामाजिक मुद्दों जैसे जातिगत भेदभाव, बाल श्रम, और शिक्षा में असमानता को पहचानने और हल करने में मदद कर सकते हैं।

नकारात्मक प्रभाव :-

भारतीय संस्कृति पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का नकारात्मक प्रभाव इस प्रकार है -

1. संस्कृति पर पश्चिमी प्रभाव

AI के माध्यम से आने वाली वैश्विक सामग्री भारतीय युवाओं को पश्चिमी संस्कृति की ओर आकर्षित कर सकती है, जिससे उनकी पारंपरिक संस्कृति प्रभावित हो सकती है।

2. नौकरी का खतरा

AI आधारित ऑटोमेशन ने पारंपरिक हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है, जो भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा हैं।

3. सांस्कृतिक पहचान का खतरा



AI आधारित वैश्विक मनोरंजन प्लेटफॉर्म भारतीय परंपराओं और रीति-रिवाजों को अनदेखा करते हुए, मुख्यधारा की सामग्री को बढ़ावा देते हैं।

4. डेटा और गोपनीयता

भारतीय संस्कृति और परंपराओं का डेटा यदि सही तरीके से संरक्षित न किया जाए, तो इसका दुरुपयोग किया जा सकता है।

5. मानव संपर्क की कमी

AI ने तकनीकी संपर्क को बढ़ावा दिया है, जिससे परिवार और समाज के बीच के व्यक्तिगत संपर्क और सामूहिकता में कमी आ सकती है।

निष्कर्ष :-

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने और इसे वैश्विक स्तर पर ले जाने का साधन बन सकता है, लेकिन इसके साथ ही यह सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं पर प्रभाव डालने वाला एक चुनौतीपूर्ण कारक भी है। इसका सही उपयोग भारतीय संस्कृति को समृद्ध करने और उसे आधुनिकता के साथ संतुलित रखने में मदद हो सकता है। इसका सही तरीके से उपयोग करने पर भविष्य में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

